आर्गन ट्रांसप्लांट में सहायता करेगी प्रदेश सरकार

उप मुख्यमंत्री शुक्ल से एम्स भोपाल के प्रतिनिधिमंडल ने ट्रांसप्लांट के अहम मुद्दों पर की चर्चा

नवभारत न्यूज

भोपाल, 6 मई. उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल से मंत्रालय में एम्स भोपाल के प्रतिनिधिमंडल ने भेंट कर प्रदेश में ऑर्गन ट्रांसप्लांट गतिविधियों के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण के संबंध में विस्तृत चर्चा की. उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश में ऑर्गन ट्रांसप्लांट गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार सतत प्रयास कर रही है.

ऑर्गन डोनर्स को 'गार्ड ऑफ ऑनर' प्रदान कर तथा उनके परिजनों को 26 जनवरी एवं 15 अगस्त के अवसर पर सार्वजनिक रूप से सम्मानित कर प्रोत्साहित किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि ऑर्गन डोनेशन से हम कई जिंदगियों में आशा का नया प्रकाश ला सकते हैं. बैठक में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत किडनी ट्रांसप्लांट पैकेज में वृद्धि करने और हार्ट एवं लंग ट्रांसप्लांट को शामिल करने के विषय पर चर्चा हुई. साथ ही प्रत्यारोपण सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ करने की संभावनाओं पर भी विचार किया गया. अंग प्राप्ति प्रक्रिया को और प्रभावी बनाने के लिए संभावित ब्रेन-डेड डोनर्स की समय पर पहचान एवं त्वरित रेफरल प्रणाली को मजबूत करने पर तकनीकी सहयोग के विषयों पर विमर्श किया गया.

इस दिशा में प्रदेश के शासकीय अस्पतालों एवं मेडिकल कॉलेजों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के लिये एक साझा डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित करने का सुझाव भी रखा गया, जिससे अंग प्राप्ति एवं प्रत्यारोपण की प्रक्रिया अधिक सुव्यवस्थित हो सके. उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि अंग प्रत्यारोपण प्रक्रिया को सुदृढ़ बनाने एवं जागरुकता गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्राप्त सुझावों पर शीघ्र यथोचित कार्यवाही की जाएगी.

> बैठक में प्रत्यारोपण सर्जरी में आधुनिक तकनीकों, विशेष रूप से रोबोटिक सर्जरी के विस्तार पर भी चर्चा हुई, जिससे उपचार की गुणवत्ता और सफलता दर में वृद्धि सुनिश्चित की जा सके. उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने राज्य सरकार की ओर से इन सेवाओं के विस्तार हेतु पूर्ण सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया. बैठक में एम्स के निदेशक प्रो. डॉ. मधाबानंद कर, डिप्टी डायरेक्टर श्री संदेश जैन, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विकास गुप्ता सहित ऑर्गन ट्रांसप्लांट टीम के सदस्य उपस्थित थे.

करुणाधाम आश्रम में रक्तदान

भोपाल. करुणाधाम के मंडपम में बुधवार को आयोजित रक्तदान शिविर में बड़ी संख्या में नागरिकों ने रक्तदान किया.

एक नजर में

श्री नागेश्वरी अम्मन मंदिर में महाकुंभिषेकम

भोपाल, 6 मई. राजधानी के गोविंदपुरा मार्केट स्थित श्री नागेश्वरी अम्मन मंदिर में श्री सिद्धि विनायक, श्री नागेश्वरी अम्मन, श्री लिंगोत्भवर एवं श्री नवग्रह मंदिर के जीर्णोद्धार उपरांत अष्टबंदन महाकुंभिषेकम का भव्य आयोजन किया गया. इस आयोजन का उद्देश्य मंदिर की आध्यात्मिक ऊर्जा को पुनर्स्थापित करना तथा करना रहा. इस पवित्र अनुष्ठान के माध्यम से देश में अमन-चैन, सुख-समृद्धि एवं सामाजिक सद्भाव बनाए रखने की कामना की गई. तीन दिवसीय कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर को आकर्षक रूप से सजाया गया. इस दौरान हवन-पूजन एवं अभिषेकम के आयोजन हुए. आयोजन में पी. राजू (अध्यक्ष), सुब्रह्मण्य (उपाध्यक्ष), विजय कुमार (उपाध्यक्ष), शंकर स्वामी (महासचिव), संतोष कुमार (सचिव), कार्तिक (कोषाध्यक्ष), कार्तिक अय्यर, एम. सुब्रमण्यम, मुकेश एवं पुन्नू स्वामी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे.

रसायन विज्ञान कार्यशाला का समापन

भोपाल, 6 मई. आंचलिक विज्ञान केन्द्र, भोपाल में 4 से 6 मई तक विद्यार्थियों के लिए रसायन विज्ञान कार्यशाला का आयोजन किया गया. इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके पाठ्यक्रम एवं दैनिक जीवन से जुड़े रसायन विज्ञान के सिद्धांतों को सरल, प्रयोगात्मक एवं मनोरंजक तरीके से समझाना था. कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रयोगों के माध्यम से विज्ञान को प्रत्यक्ष अनुभव किया. उन्होंने सूर्य के प्रकाश की भूमिका से शरीर में विटामिन डी के निर्माण, अम्ल एवं क्षार की पहचान, तथा फॉरेंसिक रसायन विज्ञान द्वारा साक्ष्यों की पहचान जैसे रोचक विषयों को प्रयोगों के माध्यम से समझा.

व्यापारी कल्याण बोर्ड बनने से होगा लाभ

भोपाल, 6 मई. मध्य प्रदेश में व्यापारी कल्याण बोर्ड के गठन से प्रदेश के छोटे-बड़े सभी व्यापारियों को सीधा लाभ मिलेगा. यह बात चेंबर ऑफ कॉमर्स भोपाल के सदस्य भगवान दास ढालिया ने कही. उन्होंने कहा कि व्यापारी कल्याण बोर्ड बनने से व्यापारियों की समस्याओं का समाधान त्वरित रूप से हो सकेगा तथा उनके हितों की रक्षा के लिए एक सशक्त मंच उपलब्ध होगा. इससे व्यापारियों को शासन स्तर पर योजनाओं का लाभ भी आसानी से मिल सकेगा. उन्होंने बताया कि लंबे समय से व्यापारी वर्ग इस तरह के बोर्ड की मांग कर रहा था, जो अब पूरी होने से व्यापारिक गतिविधियों को मजबूती मिलेगी. साथ ही छोटे व्यापारियों को भी सुरक्षा, मार्गदर्शन और सहयोग प्राप्त होगा. ढालिया ने राज्य सरकार के इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि यह कदम व्यापारियों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा.

इंजीनियरिंग की पढ़ाई, खेल में जीते गोल्ड

सुरेन्द्र सिंह मेमोरियल शूटिंग चैंपियनशिप में शामिल हुए देश के होनहार खिलाड़ी

कंचन शिवपुरिया, नवभारत

भोपाल, 6 मई. राजधानी भोपाल की मध्यप्रदेश शूटिंग अकादमी में इन दिनों 24 वीं कुमार सुरेन्द्र सिंह मेमोरियन शूटिंग चैंपियनशिप चल रही है. इस प्रतियोगिता में ओलंपिक, एशियन गेम्स सहित अन्य अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धाओं में बेहतर प्रदर्शन कर चुके देश के नामी खिलाड़ी भी शामिल हुए हैं. इनमें एक होनहार खिलाड़ी ऐसे भी हैं, जो इंजीनियरिंग की पढ़ाई के साथ निशानेबाजी में उन्होंने नेशनल स्तर पर स्वर्ण पदक हासिल किए हैं. अब उनका सपना है कि वह अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धाओं तक पहुंचकर देश का नाम रोशन करें. इन होनहार खिलाड़ियों से नवभारत की बातचीत:

पढ़ाई के साथ रोज करते हैं शूटिंग का अभ्यास

यह युवा शूटर हैं पश्चिम बंगाल के अश्मित चटर्जी हैं, जो नई पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं, 2018 में अपने करियर की शुरुआत करने वाले अश्मित ने कम समय में खेलो इंडिया और नेशनल स्तर पर गोल्ड मेडल हासिल किए हैं. अभिनव बिंद्रा से प्रेरित अश्मित इंजीनियरिंग की पढ़ाई के साथ रोजाना 4 से 5 घंटे अभ्यास करते हैं. वे बताते हैं कि शूटिंग में गुस्से या आक्रामकता की जगह धैर्य, फोकस और शांत मानसिकता की जरूरत होती है.

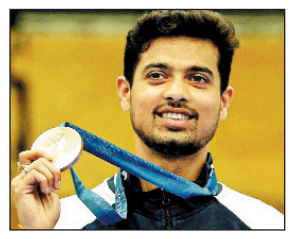

रेलवे से जुड़े शूटर स्वप्निल 2008 के यूथ कॉमनवेल्थ गेम्स देखकर शूटिंग की ओर आकर्षित हुए. उन्होंने आर्थिक कठिनाइयों और उपकरणों की कमी के बावजूद अभ्यास जारी रखा. इसका परिणाम उन्हें 2024 पेरिस ओलंपिक में ब्रॉन्ज मेडल के रूप में मिला. वे आज भी रोजाना कई घंटे अभ्यास करते हैं.

सेना ने पहचानी चैन सिंह की प्रतिभा

भारतीय सेना से जुड़े शूटर चैन सिंह ने 80 से अधिक नेशनल, एशियन गेम्स 2014 में ब्रॉन्ज, रियो ओलंपिक 2016 में देश का प्रतिनिधित्व किया, वह बताते हैं कि उनका शूटिंग से कोई संबंध नहीं था. सेना में उनकी प्रतिभा पहचानकर उन्हें इस खेल में लाया गया. उन्होंने कहा कि वर्षों की मेहनत ने उन्हें सिखाया कि प्रेशर से लड़ने का एक ही तरीका है. वर्तमान में रहकर प्रक्रिया पर ध्यान देना.

खिलौना बंदूक से सीखी निशानेबाजी

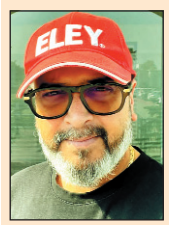

अकादमी के वरिष्ठ कोच और 2012 के ओलंपियन जयदीप कर्माकर मानते हैं कि शूटिंग केवल एक खेल नहीं, बल्कि 'मैन और मशीन का वैज्ञानिक संतुलन' है. लगभग चार दशक के अनुभव वाले कर्माकर ने बताया कि बचपन में खिलौना बंदूक से शुरू हुआ उनका सफर आर्थिक तंगी, संसाधनों की कमी और कठिन परिस्थितियों से गुजरते हुए ओलंपिक फाइनल तक पहुंचा.

अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी दीपक कुमार बताते हैं कि शूटिंग में सफलता के लिए एक खिलाड़ी को मानसिक, शारीरिक, तकनीकी और आध्यात्मिक— चारों स्तर पर मजबूत होना चाहिए. वर्तमान में स्पोर्ट्स साइंस, फिजियोलॉजी और साइकोलॉजी का इस्तेमाल खिलाड़ियों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है.

वार्ड 31 में पार्क, सत्संग हाल का भूमिपूजन

साहित्यकार पार्क बनेगा भोपाल की नई पहचान : सबनानी

नवभारत न्यूज

भोपाल, 6 मई. दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत वार्ड 31 में बुधवार को साहित्यकार पार्क एवं सत्संग हॉल के भूमिपूजन किया गया. इस अवसर पर सांसद आलोक शर्मा, विधायक भगवानदास सबनानी, महापौर मालती राय, जिलाध्यक्ष रविंद्र यती, पार्षद ब्रजुला सचान, कला मंदिर के राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरीशंकर शर्मा गौरीश एवं हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी उपस्थित रहे.

इस दौरान विधायक सबनानी ने कहा कि हमारा शहर भोपाल प्राकृतिक हरियाली अपनी सुंदरता, जल स्त्रोतों और अपनी सांस्कृतिक एवं साहित्यिक विरासत के लिए पूरी दुनिया में अपनी अलग पहचान रखता है. उन्होंने कहा कि पार्क और सत्संग हॉल के निर्माण से भोपाल शहर को एक नई पहचान मिलेगी.

स्वास्थ्य पर हुई कार्यशाला

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 6 मई. नगर निगम में बुधवार को आईएसबीटी स्थित निगम परिषद सभाकक्ष में फीडबैक फाउंडेशन द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. इसमें महिला सफाई मित्रों के लिए स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं सुरक्षा से संबंधित सावधानियों की जानकारी दी गई. कार्यशाला में महापौर मालती राय ने महिला सफाई मित्रों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने हेतु प्रेरित भी किया. इस अवसर पर प्रतिभागियों को सम्मान स्वरूप कपड़े के बैग, तांबे के ग्लास एवं प्रमाण पत्र वितरित किए गए. कार्यशाला में कचरे के पृथक्कीरण, सुरक्षित हैंडलिंग, स्वच्छता के नवीन बिंदुओं के साथ-साथ सुरक्षा कवच जैसे दस्ताने, मास्क, गमबूट, एप्रिन आदि के उपयोग की जानकारी दी.

भोपाल में नामदेव समाज की बैठक 17 को

भोपाल, 6 मई. नामदेव समाज विकास परिषद, मध्यप्रदेश, भोपाल द्वारा साधारण सभा की बैठक 17 मई को आयोजित की जा रही है. परिषद के महामंत्री तरुण चूड़ामणी बताया कि यह बैठक 17 मई, रविवार को सुबह 10:30 बजे नामदेव सामुदायिक भवन, जवाहर चौक, भोपाल में होगी. उन्होंने सदस्यों से बैठक में शामिल होने की अपील की है.

अंडर-17 कुश्ती स्पर्धा में वेदाग्य जोशी ने जीता कांस्य

▶ अब एशिया ट्रायल्स की तैयारी

खेल प्रतिनिधि

भोपाल, 6 मई. मध्यप्रदेश अकादमी के होनहार पहलवान वेदाग्य जोशी ने महाराष्ट्र के संभाजी नगर में हाल ही में आयोजित अंडर-17 सब जूनियर नेशनल कुश्ती चैंपियनशिप में 80 किग्रा में कांस्य पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया.

वेदाग्य का यह सफर आसान नहीं रहा, उन्होंने सीमित संसाधनों के बावजूद कड़ा संघर्ष किया, जिसमें उनके पिता का अहम योगदान रहा. उनके पिता न केवल हर प्रतियोगिता में साथ खड़े रहे, बल्कि स्वयं भी कुश्ती पृष्ठभूमि से होने के कारण लगातार प्रेरणा देते रहे. वेदाग्य ने अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवार के समर्थन और कोच सुनील श्रृवात की बेहतर ट्रेनिंग को दिया.

उन्होंने बताया कि अकादमी में मिली तकनीकी और शारीरिक प्रशिक्षण ने उन्हें इस स्तर तक पहुंचाया. चोट के बावजूद उन्होंने मुकाबलों में दमदार प्रदर्शन करते हुए पदक हासिल किया.

वर्तमान में वेदाग्य लखनऊ में एशिया ट्रायल्स देने पहुंचे हैं और उनका लक्ष्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के लिए पदक जीतना है. वे भविष्य में ओलंपिक तक पहुंचकर देश के लिए स्वर्ण पदक जीतने का सपना देखते हैं.

मदरसा बोर्ड परीक्षा के आवेदन की अंतिम तारीख 31 जुलाई

भोपाल, 6 मई. मप्र मदरसा बोर्ड द्वारा हाईस्कूल, हायर सेकंडरी (उर्दू माध्यम) परीक्षा के आवेदन के लिए तारीख घोषित कर दी गई है. बोर्ड के अनुसार 31 जुलाई तक परीक्षा आवेदन निर्धारित सत्यापन शुल्क 1000 रुपये ऑनलाइन / चालान के माध्यम से जमा करने होंगे. विद्यार्थियों द्वारा सीधे ऑनलाइन आवेदन करने पर जिला शिक्षा अधिकारी, मदरसा प्रभारी से सत्यापन कराकर तय तिथियों में मप्र मदरसा बोर्ड को भेजना होगा. क्रेडिट योजना अंतर्गत सम्मिलित होने वाले छात्रों को संबंधित मंडल से सत्यापन कराकर आवेदन करना होगा.

एसजीएसयू और एनआईएटी तैयार करेंगे एडवांस एआई स्किल्स

नवभारत न्यूज

भोपाल, 6 मई. स्किल्स यूनिवर्सिटी, स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी (एसजीएसयू) ने नेक्स्टवेब इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस टेक्नालॉजी (एनआईएटी) के सहयोग से बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित विशेष कार्यक्रम प्रारंभ किया है.

यह प्रोग्राम छात्रों को उभरती हुई टेक्नोलॉजी में विशेषज्ञता प्रदान कर उन्हें भविष्य के हाई-डिमांड करियर के लिए तैयार करेगा. इस कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को इंडस्ट्री-रेडी बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, जिसमें रियल-टाइम प्रोजेक्ट्स, लाइव कोडिंग सेशन्स, मेंटरशिप और करियर-ओरिएंटेड ट्रेनिंग शामिल होगी.

एनआईएटी के अनुभवी विशेषज्ञों द्वारा डिजाइन किया गया यह कोर्स छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विभिन्न आयामों जैसे मशीन लर्निंग, डेटा साइंस और ऑटोमेशन टेक्नोलॉजी में गहन समझ प्रदान करेगा. स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आज हर उद्योग की जरूरत बन चुका है.

संघर्ष से सफलता | मप्र के एथलीटों की मेहनत की कहानी, इंडिया एथलेटिक्स सीरीज-6 में बड़ी उम्मीदें

होटल में 6000 रुपये की नौकरी से नेशनल ट्रैक तक

खेल प्रतिनिधि

भोपाल, 6 मई. चेन्नई के जेएन स्टेडियम में 10 मई को होने वाली इंडिया एथलेटिक्स सीरीज-6 में मप्र राज्य एथलेटिक्स अकादमी के तीन एथलीट सुनील डावर (1500 मीटर), विकास कुमार (5000 मीटर) और राधा यादव (800 मीटर) स्पर्धा में अपना प्रदर्शन करेंगे. यह स्पर्धा क्वालिफाइंग मीट है, जहां बेहतर प्रदर्शन खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय ट्रायल्स का रास्ता खोल सकता है.

मुख्य प्रशिक्षक एस.के. प्रसाद ने बताया कि तीनों खिलाड़ी शानदार फॉर्म में हैं और उनसे बेहतर टाइमिंग की उम्मीद है. उन्होंने कहा, यह प्रतियोगिता खिलाड़ियों के करियर का टर्निंग प्वाइंट साबित हो सकती है. सुनील ने कहा, 'कोशिश यही है कि रेस कंट्रोल में रहे और टाइमिंग बेहतर करूं. अगर यहां अच्छा किया तो आगे का रास्ता आसान होगा. 'वहीं 5000 मीटर धावक विकास कुमार की कहानी संघर्ष से भरी रही है. उन्होंने बताया कि शुरुआती दिनों में आर्थिक तंगी के कारण उन्हें भोपाल में रहकर प्रैक्टिस के साथ न्यू मार्केट के एक होटल में महज 6000 रुपये की नौकरी करनी पड़ी. 'दो-तीन नेशनल बिना मेडल के निकल गए, घर की आर्थिक दिक्कतें भी थीं. लेकिन मेहनत जारी रखी, फिर धीरे-धीरे कोच का सपोर्ट मिला और अब यहां तक पहुंचा हूं,' एशियन चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करने का लक्ष्य रखते हैं. जूनियर नेशनल गोल्ड मेडलिस्ट राधा यादव पहली बार इतने बड़े मंच पर उतरेंगी. उन्होंने कहा, 'थोड़ा नर्वस हूं, लेकिन उत्साह भी है.

विकास कुमार

सुनील

राधा यादव

एस के प्रसाद

कनिष्क शतक बनाने से चूके, 91 रन की पारी खेली

▶ 11 छक्के व 4 चौके से दिलाई भोपाल लेपर्ड्स को जीत

खेल प्रतिनिधि

भोपाल 6 मई. 14 वीं स्व. अरविन्द चतुर्वेदी स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता के अंतर्गत भोपाल लेपर्ड्स क्रिकेट क्लब ने अभय गोस्वामी क्रिकेट अकादमी को 5 विकेट से हरा दिया. अभय गोस्वामी ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए 34.1 ओवर में 176 रन का लक्ष्य देकर आल आउट हो गयी, जिसमें नीरज ग्रोवर ने 64, देव रघुवंशी ने 22 हर्षित शर्मा ने 21 रन सहयोग दिया.

जिसमे भोपाल लेपर्ड्स क्रिकेट की और से सत्यम गुर्जर और रिदय माहेश्वरी ने 2-2 विकेट लिए. लक्ष्य का पीछा करती हुई भोपाल लेपर्ड्स टीम ने मात्र 20 ओवर में 5 विकेट खोकर लक्ष्य प्राप्त कर लिया. लक्ष्य तक पहुंचने में कनिष्क दुबे के 11 छक्के व 4 चौके के साथ 91 रनो ने अहम भूमिका निभाई इनके साथ ही अखिल यादव 38 रन बनाये व नॉट आउट रहे. अभय गोस्वामी क्रिकेट अकादमी की और से नीरज ग्रोवर ने 2 व प्रथम सिंह ने 1 विकेट प्राप्त किया .कनिष्क दुबे को उनकी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार समाजसेवी प्रशांत शर्मा के द्वारा दिया गया. मैच के बाद अभय अकादमी के कप्तान ने हार की वजह कमजोर गेंदबाजी और कनिष्का का अहम कैच छूटना बताया.